MARJ–04

December – Examination 2021

M.A. (Previous) Examination

RAJASTHANI

राजस्थानी लोक साहित्य

Paper : MARJ-04

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks :* ***80***

निर्देश :- औ पेपर दो खण्डां में बंट्योड़ौ है। खंड-'अ' अर खंड-'ब' है। खण्ड-'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड-'ब' में छोटा सवाल दियोड़ा है।

खण्ड—अ **4×4=16**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में चार सवाल करणा जरूरी है। आपरौ पड़ूत्तर अेक सबद, अेक वाक्य या अधिकतम **30** सबदां सूं बैसी नीं हुवणौ चाहिजै।

1. (i) लोक मानस रौ सरूप किण तरै रौ मान्यौ जावै ?

   (ii) लोक नाट्य मांय किण भांत मंडांण कियौ जावै ?

(iii) 'लोक' सबद सूं आप कांई समझौ ?

(iv) लोकगीत किणरा हियै तणा उद्‌गार है ?

(v) 'बधावौ' लोकगीत किण अवसर माथै गाइज्या करै ?

(vi) लोककथावां रै भेदां री जाणकारी करावौ ?

(vii) ब्यांव में गाईजण वाळा गीतां नै कांई कैवै ?

(viii) पंखेरुवां सूं संबंधित दो लोक गीतां रा नांव लिखौ।

खण्ड—ब **4×16=64**

(छोटा सवाल)

निर्देश :- हेठै लिख्यै सवालां मांय सूं किणी चार सवालां रा पड़ूत्तर दिरावौ। सबद सीमा **200** सबद है।

2. 'लोक साहित्य' किण भांत रौ साहित्य मानीजै। विगतवार खुलासौ करावौ।

3. लोक साहित्य अर समाजशास्त्र रै आपसी संबंधां रौ म्यांनौ देवौ।

4. 'लोक साहित्य 'लोक' री लूंठी धरोहर है।' आज रै जुग में इणरी कांई महत्ता है ? समझावौ।

5. मनोरंजनात्मक गीतां री ओळी में आवण वाळा चार गीतां रा नांव लिखौ।

6. लोकगीतां में सांवणी संस्कृति रा दरसण होवै। इण बात रौ खुलासौ करौ।

7. राजस्थानी री चावी प्रेम कथा 'ढोला-मारु' रौ सार आपरै सबदां में मांडौ।

8. 'पड़' अर 'पवाड़ां' में कांई फरक है ? 'पड़' परंपरा रौ विरोळ करौ।

9. राजस्थानी रै पंखेरू गीतां रा दाखळा देय'र बानगी प्रगासौ ?